



पश्चिमी घाट पर याचिका

प्रलिस के लयः

पश्चिमी घाट, पारसथतलकल रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए), गाडगलल सडतल, पश्चिमी घाट पारसथतलकल वशषज्ज डैनल (डब्ल्यूजीईईपी), कसतूरीरंगन सडतल।

डेनस के लयः

पश्चिमी घाटों का डहतत्व, पश्चिमी घाटों के सडकष आने वाले खतरे ।

चरचा डें क्योँ?

हाल ही डें, सर्वोच्च न्यायालय ने एक जनहति याचिका (Public Interest Litigation-PIL) को खारजल कर दलया है, जसलने पश्चिमी घाट पारसथतलकल रूप से संवेदनशील क्षेत्र (Ecologically Sensitive Areas-ESA) पर गाडगलल और कसतूरीरंगन सडतलडल को चुनौती दी थी ।

पारसथतलकल रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA):

- ESA पर्यावरण संरक्षण अधनलडड, 1986 के तहत संरक्षणल क्षेत्रों, राषट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आसपास पर्यावरण, वन एवं जलवायु परवलरतन डंतरालय (MoEFCC) द्वारा अधसूचल क्षेत्र है ।
- इसका डूल उद्देश्य राषट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आसपास कुछ गतवलधलडल को वनलडडतल करना है ताकल संरक्षणल क्षेत्रों को शाडलल करने वाले नाजुक पारसथतलकल तंतर पर ऐसी गतवलधलडल के नकारातुडक प्रडारों को कड कलया जा सके ।

जनहति याचलकल द्वारा की गई डांगः

- याचलकलकर्तुता ने सर्वोच्च न्यायालय से पश्चिमी घाट डें वशषज्ज डैनल (गाडगलल सडतल रडडरुट) और उच्च तूतीय कार्य सडूह (कसतूरीरंगन सडतल रडडरुट) की सडलरशल को लागू नहीं करने का अनुरोध कलया था ।
- याचलकलकर्तुता ने न्यायालय से केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परवलरतन डंतरालय (MoEF & CC) द्वारा वर्ष 2018 के डसौदा अधसूचना को अलटूरा वायरस (इसकी कानूनी शकतल या अधलकार से परे) घुषतल करने के लयल कहा क्योँकल इससे नागरकल के जीवन के अधलकार का उललंघन हो सकता है ।
- याचलकलकर्तुता ने केरल के डूरव डुखडडंतूरी द्वारा गठलतल वशषज्ज सडतलकल वर्ष 2014 की रडडरुट को लागू करने पर जोर दलया ।
 - रडडरुट ने पश्चिमी घाटों डें पर्यावरणीय रूप से डंगुर डूडल (Environmentally Fragile Land-EFL) के खंडों डें परवलरतन को लागू करने की सडलरशल की, जसलडें EFL क्षेत्रों को नरलधरतल करने डें हुई चूक को डताया गया है ।

सर्वोच्च न्यायालय का डकषः

- सर्वोच्च न्यायालय ने याचलकल को यह कहते हुए खारजल कर दलया कल वर्ष 2018 डें जलवायु परवलरतन डंतरालय (MoEF & CC) डसौदा अधसूचना को चुनौती दी गई थी, जसलके डार जुलाई 2022 डें डौचवी डसौदा अधसूचना जारी की गई थी ।
 - जुलाई डें जारी डसौदा अधसूचना खनन, थरुडल डार ड्लांट और सडू 'रेड' शूरेणी के उद्यागों को ESA डें आने से रोकती है ।
- न्यायालय को डारत के संवधलन के अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधलकार क्षेत्र का प्रयोग करने का कोई कारण नहीं डलला ।

सडतलडल के अनुसार

- गाडगलल सडतलः
 - पश्चिमी घाट पारसथतलकल वशषज्ज डैनल (Western Ghats Ecology Expert Panel-WGEEP) के रूप डें डी जाना जाता है, इसने सडलरशल की कल पश्चिमी घाटों को पारसथतलकल संवेदनशील क्षेत्रों (Ecological Sensitive Areas-ESA) के रूप डें घुषतल

किया जाए, केवल सीमति क्षेत्रों में सीमति विकास की अनुमति दी जाए।

- इसने छह राज्यों में फैले पूरे पश्चिमी घाट को पारस्थितिक संवेदनशील क्षेत्रों (ESZ) के रूप में वर्गीकृत किया, जिसमें 44 ज़िले और 142 तालुका शामिल हैं।

■ कस्तूरीरंगन समिति:

- इसने गाडगलि रिपोर्ट द्वारा प्रस्तावित प्रणाली के विपरीत विकास और पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करने की मांग की।
- कस्तूरीरंगन समिति ने सफ़िरशि की कपश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल के बजाय, कुल क्षेत्रफल का केवल 37% ही ESA के तहत लाया जाना चाहिये और ESA में खनन, उत्खनन और रेत खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिये।

पश्चिमी घाट

■ परचिय:

- पश्चिमी घाट भारत के पश्चिमी तट के समानांतर और केरल, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों से गुज़रने वाले पहाड़ों की शृंखला से मलिकर बना है।

■ महत्त्व:

- घाट भारतीय मानसून के मौसम के प्रतरूप को प्रभावित करते हैं जो इस क्षेत्र की गर्म उष्णकटिबंधीय जलवायु में संतुलन स्थापित करते हैं।
- वे दक्षिण-पश्चिम से आने वाली वर्षा से भरी मानसूनी हवाओं के लयि बाधा के रूप में कार्य करते हैं।
- पश्चिमी घाट उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों के साथ-साथ विश्व स्तर पर संकटग्रस्त 325 प्रजातियों का घर है।

पश्चिमी घाट के लयि खतरा:

■ वकिसात्मक दबाव:

- कृषि विस्तार और पशुधन चराई के साथ शहरीकरण इस क्षेत्र के लयि गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।
- लगभग 50 मिलियन लोगों के पश्चिमी घाट क्षेत्र में रहने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप वकिसात्मक दबाव दुनिया भर के कई संरक्षित क्षेत्रों की तुलना में अधिक है।

■ जैवविविधता संबंधित मुद्दे:

- वन क्षरण, आवास विखंडन, आक्रामक पौधों की प्रजातियों द्वारा आवास क्षरण, अतिक्रमण और रूपांतरण भी घाटों को प्रभावित कर रहे हैं।
- पश्चिमी घाट में वकिस के दबाव के कारण होने वाले विखंडन से संरक्षित क्षेत्रों के बाहर वन्यजीव गलियारों और उपयुक्त आवासों की उपलब्धता कम हो रही है।

■ जलवायु परिवर्तन:

- मध्यवर्ती वर्षों में जलवायु संकट ने गतापिकड़ी है:
- पछिले चार वर्षों (2018-21) में बाढ़ ने केरल के घाट क्षेत्रों को तीन बार तबाह किया है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और बुनियादी ढाँचे और आजीविका को भारी नुकसान हुआ है।
- वर्ष 2021 में कोंकण के घाट क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचा दी थी।
- अरब सागर के गर्म होने से चक्रवात भी तीव्रता से बढ़ रहे हैं, जिससे पश्चिमी तट विशेष रूप से संवेदनशील हो गया है।

■ औद्योगीकरण से खतरा:

- पश्चिमी घाट में ESA नीति की अनुपस्थिति के कारण अधिक प्रदूषणकारी उद्योगों, खदानों, खानों, सड़कों और टाउनशिप की योजना बनाई जा सकती है।
- इसका मतलब है कभविष्य में इस क्षेत्र के संवेदनशील परदृश्य को और अधिक नुकसान होगा।

आगे की राह

- जलवायु परिवर्तन जो कसिभी लोगों की आजीविका को प्रभावित करेगा और देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचा सकता है, को ध्यान में रखते हुए ऐसे संवेदनशील पारस्थितिक तंत्र का संरक्षण विकिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिये।
- वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित एक उचित विश्लेषण के बाद संबंधित चिंताओं को दूर करने के लयि विभिन्न हतिधारकों के बीच आम सहमति की तत्काल आवश्यकता है।
- वन भूमि, उत्पादों और सेवाओं पर खतरों तथा मांगों के बारे में समग्र दृष्टिकोण, शामिल अधिकारियों के लयि स्पष्ट रूप से बताए गए उद्देश्यों के साथ इनसे निपटने हेतु रणनीति तैयार होनी चाहिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

Q कभी-कभी सामाचारों में आने वाली 'गाडमलि समिति रिपोर्ट' और 'कस्तूरीरंगन समिति रिपोर्ट' संबंधित हैं (2016):

- (a) संवैधानिक सुधारों से
- (b) गंगा कार्य-योजना
- (c) नदियों को जोड़ने से

(d) पश्चिमी घाटों के संरक्षण से

उत्तर: (d)

- पश्चिमी घाट पर जनसंख्या दबाव, जलवायु परिवर्तन और विकास गतिविधियों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिये वर्ष 2010 में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा गाडगलि समिति का गठन किया गया था।
- पश्चिमी घाट के सतत एवं समावेशी विकास को बरकरार रखते हुए पश्चिमी घाट की जैवविविधता के संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु भारत सरकार ने वर्ष 2012 में डॉ. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कार्यदल का गठन किया था।
- अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/plea-on-western-ghats>

